3rd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject – Hindi Language

Class – V

Name : **Sec. :**

पाठ – 9
(लिंग)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 43)**

क. विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. विशेषण के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ग. विशेष्य की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. उचित विशेषणों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– **(पृष्ठ सं0 43)**

क. जो दूसरों पर दया करता है, उसे .... कहते हैं।

ख. मेरी कक्षा में .... छात्र हैं।

ग. इतिहास पढ़ने से .... घटनाओं का ज्ञान होता है।

घ. समाज में रहकर .... नियमों का पालन करना चाहिए।

ङ. मनुष्य को .... गुण नहीं छोड़ना चाहिए।

3. सही कथन के सामने (√) और गलत कथन के सामने (×) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 44)**

क. जिस संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं। ☐

ख. दो, अनेक, कुछ– ये शब्द परिणामवाचक के उदाहरण हैं। ☐

ग. सार्वनामिक विशेषण कों संकेतवाचक भी कहते हैं। ☐

घ. गुण, दोष, रंग, रूप संबंधी विशेषता प्रकट करने वाले शब्द संख्यावाचक विशेषण होते हैं। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प पर (√) पर चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 44)**

क. 'पाँच लीटर दूध'– किस विशेषण का उदाहरण है?

अ. परिमाणवाचक ☐ ब संख्यावाचक ☐

ख. विशेषण के भेद होते हैं–

अ. चार ☐ ब पाँच ☐

ग. कौन–सा उदाहरण गुणवाचक विशेषण है?

अ. सुंदर फूल ☐ ब दस फूल ☐

घ. रोहन मेधावी छात्र है– इसमें विशेष्य है–

अ. मेधावी ☐ ब रोहन ☐

5. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण तथा विशेष्य को अलग करके लिखो– **(पृष्ठ सं0 44)**

	वाक्य	**विशेषण**	**विशेष्य**
क.	दयालु ईश्वर सब पर दया करता है।	....	....
ख.	काली बिल्ली भाग गयी।	....	....
ग.	वह लड़का मेरा मित्र है।	....	....
घ.	थोड़ा दूध मुझे भी दो।	....	....
ङ.	पाँच लड़के यहाँ बैठे हैं।	....	....

पत्र

कक्षा में खराब पंखा ठीक कराने हेतु प्रधानाचार्या को पत्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

<u>मुहावरे</u>

मुहावरोंका अर्थ लिखो– **(पृष्ठ सं0 60–61)**

अगर–मगर करना – ....

....

....

आँखे दिखाना – ....

....

....

आँखों पर पर्दा पड़ना – ....

....

....

आँखो का काजल चुराना– ....

....

....

नाक ऊँची होना – ....

....

....

नाक नीची होना – ....

....

....

चेहरा उतरना – ....

....

....

गले मढ़ना – ....

....

....

कमर सीधी करना – ....

....

....

कमर कसना – ....

....

....

चिकना घड़ा – ....

....

....

छक्के छुड़ाना – ....

....

....

सिर धुनना – ....

....

....

टका–सा जवाब देना – ....

....

....

आँखों में धूल झोंकना – ....

....

....

आँसू पोछना – ....

....

....

आग में घी डालना – ....

....

....

उँगली उठाना – ....

....

....

लोकोक्तियाँ

लाकोक्तियाँ का अर्थ लिखो– **(पृष्ठ सं0 62)**

तेते पाँव पसारिए जेती लंबी सौर – ....

....

....

पाँचों उँगलियाँ एक बराबर नहीं होती – ....

....

....

साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे – ....

....

....

सिर मुड़ाते ही ओले पड़ना – ....

....

....

होनहार बिरवान के होत चीकने पात – ....

....

....

पर्यायवाची शब्द

घोड़ा ....

घर ....

चंद्रमा ....

जमुना ....

तन ....

सूर्य ....

सोना ....

हाथी ....

विष ....

विद्यालय ....

समुद्र ....

संसार ....

सेना ....

सरस्वती ....

शत्रु ....

जल ....

विलोम शब्द

शब्द	**विलोम**	**शब्द**	**विलोम**
दुख	....	उधार	....
देव	....	कठिन	....
धनी	....	निराकार	....
सगुण	....	नूतन	....
हँसना	....	परतंत्र	....
हार	....	मूक	....
क्षमा	....	राजा	....
स्पष्ट	....	वक्ता	....
हर्ष	....	सत्य	....
हिंसा	....	सभ्य	....

निबंध

विज्ञान वरदान या अभिशाप

पाठ – 10
(क्रिया और काल)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(पृष्ठ सं0 48)**

क. क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. क्रिया कितने प्रकार की होती है? उनके नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ग. सकर्मक क्रिया तथा अकर्मक क्रिया में क्या अंतर है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

घ. क्रिया का काल किसे कहते हैं? भेद सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. **सही कथन के सामने (√) और गलत कथन के सामने (×) का चिह्न लगाओ–** **(पृष्ठ सं0 48)**

क. जिन शब्दों से काम करने का बोध हो, वे शब्द क्रिया कहलाते हैं। ☐

ख. भूतकाल बीते समय में कार्य पूर्ण होने का बोध कराता है। ☐

ग. सकर्मक क्रियाएँ कर्म के बिना पूरी नहीं होती हैं। ☐

घ. चल रही क्रिया भविष्यत काल का ज्ञान कराती हैं। ☐

3. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प पर (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 48)**

क. क्रिया के भेद होते हैं–

1. तीन 2. दो

ख. मोर नाचता है– वाक्य में क्रिया शब्द है–

1. मोर 2. नाचता है

ग. 'मैं विद्यालय गया था' – वाक्य है–

1. भूतकाल 2. वर्तमान काल

घ. 'राजा हँसता है' – में कौन–सी क्रिया है?

1. अकर्मक 2. सकर्मक

5. कोष्ठक में दिए गए शब्दों से सही क्रिया–रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति करो– **(पृष्ठ सं0 30)**

क. विवेक बुद्धिमानी से काम .... है। (लेना)

ख. श्याम ने अपना पाठ याद .... । (करना)

ग. पुलिस चोर को ....और बंदी बनाएगी। (खोजना)

घ. आपका क्या नाम .... ? (होना)

अनेकार्थी शब्द

बल ....

मधु ....

मित्र ....

मुद्रा ....

रस ....

वार ....

विधि ....

हंस ....

हरि ....

हार ....

क्षमा ....

वाक्यांश

1. केवल अपना ही स्वार्थ चाहने वाला ....
2. सब कुछ जानने वाला ....
3. संगीत का ज्ञान रखने वाला ....
4. साथ–साथ पढ़ने वाले छात्र ....
5. जिसे क्षमा किया जा सके ....
6. जिसका कोई स्वामी/नाथ न हो ....
7. जो पढ़ा लिखा न हो ....
8. जिसका विश्वास किया जा सके ....
9. जिसका मूल्य न आँका जा सके ....
10. जिसकी कोई उपमा न हो ....
11. अपनी हत्या स्वयं करना ....
12. जिसमें विष हो ....
13. हाथ से लिखा हुआ ....

14. छात्रों के रहने का स्थान ....

15. जो अभी–अभी पैदा हुआ हो ....

श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द

1.	पाहन	....	2.	शूर	....
	पावन	....		सुर	....
3.	अंत	....	4.	गृह	....
	अंत्य	....		ग्रह	....
5.	सूत	....	6.	श्याम	....
	सुत	....		शाम	....
7.	दिन	....	8.	निश्चित	....
	दीन	....		निश्चिंत	....
9.	बाग	....	10.	परिमाण	....
	बाघ	....		परिणाम	....
11.	पड़ना	....	12.	सामान	....
	पढ़ना	....		समान	....

पत्र

अपने मित्र को परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई देते हुए पत्र।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कहानी / चित्र लेखन

संगति का असर

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

पाठ – 13
(विराम चिह्न)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 57)**

क. विराम चिह्न किसे कहते हैं?

उ0 ....
....
....
....
....
....

2. निम्नलिखित विराम चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखो– **(पृष्ठ सं0 57)**

	चिह्न	नाम
क.	;	....
ख.	,	....
ग.	^	....
घ.	" "	....
ङ.	!	....
च.	?	....
छ.	:–	....

3. **निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़कर उनसे संबंधित उपयुक्त विराम चिह्नों के नाम लिखो– (पृष्ठ सं0 57)**

क. इसका प्रयोग वाक्य के पूर्ण होने पर किया जाता है। ....

ख. प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में लगाया जाने वाला चिह्न। ....

ग. दो समान पदों को जोड़ने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। ....

घ. जो चिह्न हर्ष, घृणा, आश्चर्य आादि मनो भावों को प्रकट करने के लिए लगाया जाता है।

....

ङ. लिखते समय किसी शब्द के छूट जाने पर जिस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

....

अनुच्छेद लेखन

कक्षा में खराब पंखा ठीक कराने हेतु प्रधानाचार्या को पत्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपसर्ग	**शब्द**
अति	....
अप	....
अनु	....
आ	....
उप	....
प्र	....
सु	....
अ	....
अन	....
कु	....
परि	....
वि	....
कम	....
बद	....
बे	....

प्रत्यय	**शब्द**
अना	....
इमा	....
त्व	....

अक ....

अनीय ....

इक ....

ईय, इय ....

मान ....

दार ....

आवट ....

नी ....

आई ....

वान, पन ....

मय ....

तद्भव, तत्सम

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अनाज	....	चोंच	....
अंधा	....	चाँद	....
आज	....	चमड़ा	....
अचरज	....	छेद	....
आम	....	तीता	....
आँसू	....	दरशन	....
कुआँ	....	धरम	....
करम	....	धान	....
खेत	....	निठुर	....
गेहूँ	....	नेह	....
गाँव	....	पोखर	....
गाँठ	....	पत्थर	....
घी	....	पाहन	....
घड़ा	....	सहालग	....
बूँद	....	सीख	....
मक्खी	....	जौं	....
मानुष	....	जेठ	....
लोहा	....	जीभ	....
रात	....	तपता	....

अपठित पद्यांश

पायो जी मैंने रामरतन धन पायो।
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु, किरपा करि अपनायो।
जन्म–जन्म की पूँजी पाई, जग में सभी खोवायो।
खरचै नहि, कोई चोर न लेवै, दिन–दिन बढ़त सवायो।
सत की नाव, खेवटिया सतगुरु, भवसागर तर आयो।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरख–हरख जस गायो।

ऊपर लिखे पद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो– **(पृष्ठ सं0 79)**

क. मीरा ने किसको पाने की बात की है?

उ0 ....

....

ख. कौन–सी वस्तु है जिसे चोर चुरा नहीं सकते हैं?

उ0 ....

....

ग. मीरा ने अपने भजन में किसका वर्णन किया है?

उ0 ....

....

घ. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

उ0 ....

....

अपठित गद्यांश

आदर्श नागरिक वह है जो अपने कर्तव्यों और अधिकारों को समझ कर अपने कर्त्तव्यों का दृढ़ता से पालन करता है। वह जानता है कि उसके अपने अधिकारों का समुचित रूप से उपयोग किस प्रकार करना चाहिए? इन सब बातों से परिचित होने के लिए नागरिक का शिक्षित होना भी बहुत ज़रूरी है। शिक्षित नागरिक ही लोगों में जागृति लाने का काम कर सकता है। किसी भी देश की प्रगति का आधार वहाँ रहने वाला प्रत्येक नागरिक होता है। एक अकेला व्यक्ति देश को प्रगति की राह पर आगे कभी नहीं ले जा सकता। देश को समृद्ध बनाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करना ही प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होता है। आदर्श नागरिक वही होता है, जो केवल अपने कल्याण की बात नहीं सोचता, बल्कि दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करता है। दूसरों के हित में ही देश का हित तथा देश के हित में अपना हित छिपा होता है। आदर्श नागरिक में आपसी सहयोग, प्रेम व पर–हित की भावना का होना भी अति आवश्यक होता है। इसी के द्वारा व स्वयं नागरिक कहलाता हुआ दूसरों में आदर्श की भावना का संचार करता है। आदर्श नागरिक देश के प्रति समर्पण की भावना रखता है। वह देश को उन्नति की राह पर ले जाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देता है।

ऊपर लिखे गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो– **(पृष्ठ सं0 77)**

क. आदर्श नागरिक कौन है?

उ0 ....

....

....

....

ख. किस प्रकार का नागरिक लोगों में जागृति ला सकता है?

उ0 ....

....

....

ग. प्रत्येक देश की प्रगति का आधार कौन होता है?

उ0 ....

....

....

घ. आदर्श नागरिक में किस प्रकार की भावना होना अति आवश्यक है?

उ0 ....

....

....

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखो।

उ0 ....

....

अपठित गद्यांश

कोयल मधुर वाणी बोलती है इसलिए उसकी वाणी सभी सुनना चाहते हैं। वह सभी को प्रिय होती है। कौआ कर्कश वाणी बोलता है इसलिए उसकी आवाज़ कोई सुनना नहीं चाहता है। जो व्यक्ति मीठी वाणी बोलता है, वह सभी का प्रिय होता है। मीठी वाणी औषधि के समान होती है। इससे व्यक्ति का मन प्रसन्न होता है। कड़वी वाणी तीर के समान कष्ट पहुँचाती है। हमें सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए। इसी से समाज में हम आदर और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

ऊपर लिखे गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो— **(पृष्ठ सं0 77)**

क. कोयल सभी को प्रिय क्यों होती है?

उ0 ....

....

ख. कौवे की आवाज़ कोई सुनना क्यों नहीं चाहता है?

उ0 ....

....

....

ग. मधुर वाणी किसके समान होती है?

उ0 ....

....

घ. हमें सदैव कैसी वाणी बोलनी चाहिए?

उ0 ....

....

ङ. कड़वी वाणी किसके समान होती है?

उ0 ....

....